कक्षा कार्य(कबीर के पद)

27-07-2020

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

1-हम तो एक एक करि जाना।

दोइ कहैं तिनहीं कों दोजग जिन नाहिन पहिचाना।

एकै पवन एक ही पानीं एके जोति समाना।

एकै खाक गढ़े सब भाड़े एकै कांहरा सना।

जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटे अगिनि न काटे कोई।

सब घटि अंतरि तूही व्यापक धरे सरूपैं सोई।

माया देखि के जगत लुभाना काहे रे नर गरबाना।

निरभै भया कछू नहि ब्याएँ कहैं कबीर दिवाना।

अभ्यास प्रश्न :-

प्रश्न-1:कबीर संसार में किसे एक मानते हैं ?

उत्तर ----------

प्रश्न-2:कवि ने परमात्मा की एकता किस प्रकार सिद्ध की है ?

उत्तर----------

प्रश्न-3:संसार नश्वर है पर आत्मा एक है ये कवि किन उदाहरण से सिद्ध करते हैं ?

उत्तर:----------

KVBORIHAR

प्रश्न-4:कवि मनुष्य को किन दुर्गुणों से दूर रहने को कहते हैं ?

उत्तर :----------

प्रश्न-5 : कबीर ने अपने आप को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तर :----------

प्रश्न-6:कबीर के प्रथम पद का भावार्थ (व्याख्या)लिखिए ।

उत्तर:----------

प्रश्न1. भाव-सौंदर्य स्पष्ट करें।

2. शिल्प-सौदर्य बताइए।

कबीर -पद 2

सतों देखत जग बौराना।

साँच कहों तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।

नेमी देखा धरमी देखा, प्रात करे असनाना।

आतम मारि पखानहि पूजें, उनमें कछु नहि ज्ञाना।

बहुतक देखा पीर औलिया, पढ़े कितेब कुराना।

कै मुरीद तदबीर बतावै, उनमें उहैं जो ज्ञाना।

आसन मारि डिम्भ धरि बैठे, मन में बहुत गुमाना।

पीपर पाथर पूजन लागे, तीरथ गर्व भुलाना।

KVBORIHAR

टोपी पहिरे माला पहिरे, छाप तिलक अनुमाना।

साखी सब्दहि गावत भूले, आतम खबरि न जाना।

हिन्दू कहैं मोहि राम पियारा, तुर्क कहैं रहिमाना।

आपस में दोउ लरि लरि मूए,मर्म न काहू जाना।

घर घर मन्तर देत फिरत हैं, महिमा के अभिमाना।

गुरु के सहित सिख्य सब बूड़े, अंत काल पछिताना।

कहैं कबीर सुनो हो संतो, ई सब भर्म भुलाना।

केतिक कहो कहा नहि माने, सहजै सहज समाना। (पृष्ठ 131-132)

प्रसंग-प्रस्तुत पद पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-1 में संकलित निर्गुण परंपरा के सर्वश्रेष्ठ कवि कबीर के पदों से उद्धृत है। इस पद में उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे बाहय आडंबरों पर तीखा प्रहार किया है।

व्याख्या-कबीरदास संतो को संबोधित करते हुए कहते हैं कि देखो, यह संसार पागल हो गया है। जो व्यक्ति सच बातें बताता है, उसे यह मारने के लिए दौड़ता है तथा जो झूठ बोलता है, उस पर यह विश्वास कर लेता है। कवि हिंदुओं के बारे में बताता है कि ऐसे लोग बहुत हैं जो नियमों का पालन करते हैं तथा धर्म के अनुसार अनुष्ठान आदि करते हैं। ये प्रातः उठकर स्नान करते हैं। ये अपनी आत्मा को मारकर पत्थरों को पूजते हैं। वे आत्मचिंतन नहीं करते। इन्हें अपने ज्ञान पर घमंड है, परंतु उन्होंने कुछ भी ज्ञान प्राप्त नहीं किया है। मुसलमानों के विषय में कबीर बताते हैं कि उन्होंने ऐसे अनेक पीर, औलिया देखे हैं जो कुरान का नियमित पाठ करते हैं। वे अपने शिष्यों को तरह-तरह के उपाय बताते हैं जबकि ऐसे पाखंडी स्वयं खुदा के बारे में नहीं जानते हैं। वे ढोंगी योगियों पर भी चोट करते हैं जो आसन लगाकर अहंकार धारण किए बैठे हैं और उनके मन में बहुत घमंड भरा पड़ा है।

कबीरदास कहते हैं कि लोग पीपल, पत्थर को पूजने लगे हैं। वे तीर्थ-यात्रा आदि करके गर्व का अनुभव करते हैं। वे ईश्वर को भूल जाते हैं। कुछ लोग टोपी पहनते हैं, माला धारण करते हैं, माथे पर तिलक लगाते हैं तथा शरीर पर छापे बनाते हैं। वे साखी व शब्द को गाना भूल गए हैं तथा अपनी आत्मा के रहस्य को नहीं जानते हैं। इन लोगों को सांसारिक जीवन पर घमंड है। हिंदू कहते हैं कि उन्हें राम प्यारा है तो तुर्क रहीम को अपना बताते हैं। दोनों समूह ईश्वर की श्रेष्ठता के चक्कर में लड़कर मार जाते हैं, परंतु किसी ने भी ईश्वर की सत्ता के रहस्य को नहीं जाना।

समाज में पाखंडी गुरु घर-घर जाकर लोगों को मंत्र देते फिरते हैं। उन्हें सांसारिक माया का बहुत अभिमान है। ऐसे गुरु व शिष्य सब अज्ञान में डूबे हुए हैं। इन सबको अंतकाल में पछताना पड़ेगा। कबीरदास कहते हैं कि हे संतों, वे सब माया को सब कुछ मानते हैं तथा ईश्वर-भक्ति को भूल बैठे हैं। इन्हें कितना ही समझाओ, ये नहीं मानते हैं। सच यही है कि ईश्वर तो सहज साधना से मिल जाते हैं।

विशेष-

1. कवि ने धार्मिक आडंबरों पर करारी चोट की है।
2. उन्होंने पाखंडी धर्मगुरुओं को लताड़ लगाई है।
3. सधुक्कड़ी भाषा है।
4. अनुप्रास अलंकार की छटा दर्शनीय है।
5. चित्रात्मकता है।
7. कबीर का अक्खड़पन स्पष्ट है।
8. पद में गेयता व संगीतात्मकता है।

- अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

1. कबीर किसे संबोधित करते हैं तथा क्यों?

2. कवि संसार को पागल क्यों कहता है?

3. कवि ने हिंदुओं के किन आडंबरों पर चोट की है तथा मुसलमानों के किन पाखंडों पर व्यंग्य किया है?

4. अज्ञानी गुरुओं व शिष्यों की क्या गति होगी?

नोट:-

अगली कक्षा में मीरा के पद एवं मिया नसीरुद्दीन से प्रश्न दिया जायेगा ।

सब अपनी नोट बुक में दिनांक के साथ काम करके चेक कराया करें।

KV BORHAR